न्यौली-संकलन

'न्यौली' वस्तुतः उत्तराखण्ड के पहाड़ी इलाकों में मिलने वाला एक छोटा सा जंगली पक्षी है। गर्मी के उदासी भरे दिनों में दूर जंगलों से आने वाली "न्यौली" की आवाज सुनने वाले के मन में एकाकीपन और विरह का भाव पैदा करती है। पहाड़ी जंगल में घास काटने गई महिला या अकेले गाय चराता पुरुष जब अपनी मन की पीड़ा को गीतों के माध्यम से सामने रखता है तो "न्यौली" गीत पैदा होते हैं। उदासी और विरह इन लोकगीतों का मुख्य भाव है, साथ ही इन गीतों में सामाजिक सन्दर्भ, प्राकृतिक विषय, खेती-किसानी और दार्शनिकता भी दिखाई देती है।

किसी एक पहाड़ की चोटी पर गाई जा रही "न्यौली" के प्रत्युत्तर में दूसरी तरफ़ से उठने वाली न्यौली का प्रस्तुतिकरण सोशल मीडिया के इस दौर में थोड़ा बदल गया है।

यह संकलन इस सामाजिक बदलाव को 'हाइलाइट' करने का प्रयास है।

प्रस्तुतकर्ता: हेम पंत

सोशल मीडिया की सार्थकता

Facebook में "कुमाउनी शब्द सम्पदा" ग्रुप की एक पोस्ट पर सदस्यों द्वारा पोस्ट किए गए उत्तराखण्ड के पारम्परिक गीत – न्यौली और जोड़ का संकलन

न्यौली संकलन

Hem Pant
सोराक सड़कपन मोटरों घुराट
कांकि छै तू चेलि बेटि, कां तेरो सौरास?

Hem Pant
हल्द्वानी का गोरु बाकरा, कालढूंगी चरान
जां तेरो आंसि को बाजो वां मेरा परान

Anil Karki
बत्ती बाले बरीख में दी बाले कुना में ।
उमर न्हे ऊब हुना में जोबन रुना में

Risky Pathak
धानकी बाली पिंगली भैछ... ग्यूं की बाली ठाड़ी....
त्वे सुवा कारण मैले घर कुड़ी छाड़ी...

Risky Pathak
बाकरी को बाग ल्हिगै, पाठो चिचानै में...
त्यर म्यर मरण है जो एक तिथानै में....

Tara Singh Chuphal
सरग लागो काल बादल धरती सिंलैछि
नूण कैसि माया मेरि ह्यूं जैसि बिलैंछि

Tara Singh Chuphal
गंगा ज्यू बगड़ै में द्वी झैणि बंगाली
पाठक ज्यू तुमि लेग में जास भ्यछा माया क कंगालि

Hem Pant
दूध की कसिणि में छ चनर की माया
जसि तेरि पानी तीस, तसि मेरि माया।

Nandan Pokhariya
उन खोली बाटो लायो भैंस की थोरी ले।
क्वै दुःख देव ले दिया, क्वै मेरी खोरी ले।।

Risky Pathak
रात भली जुन्याली,, ऐ जाँ कीड़ा उड़नी....
यो पहाड़ आग लागो, मी ढुंग बुड़नी....

Nandan Pokhariya
नैनीताल की नैना देवी झाकरी क सैम।
मेरी छ हँसन्या बानी लोग खानी भैम।

Nandan Pokhariya
झौल पड़्यो झलकन दींछ हिमाल को घाम।
भ्यार जान भीतर जान तेरी ऊंछी फाम।।

Hem Pant
बाल पिंगलो,नाल हरियो जजुरालि बांस
झिट घड़ि बसि जाए, बुति बारौं मास

Anil Karki इसका एक वजर्न और है –
ग्यू हरिया जौं हरिया जजुराली बांस /
एक बाटुली दिन लाये एक बाटुली साँस!

Anil Karki
सरग भरी तारा छन एक तारो आगै हो
दुःख दुःख किलै कुछी दुःख त लागै हो !....

Nandan Pokhariya
द्वी आया वर्मा सिपै द्वी आया बाजारी।
तेरी मेरी बैठनी जागा फूली रे हजारी ।।

Anil Karki
सरग भरी तारा छन एक तारो आगै हो
दुःख दुःख किलै कुछी दुःख त लागै हो !....

Nandan Pokhariya
रामू गाड़ा श्यामू धान गीलो जन गोड़िये।
नानछाना लाछे दोस्ती अब जन छोड़िये।।

Hem Pant
सरस्यों फुल्यो ढकबक, धनियां फुल्यो रंग
त्वै सुवा जाइयां बटि, मन मेरो उड़भंग।

Risky Pathak
हाथ गल्या में कानो बूड़ो गाज्यो कुमरी को..
त्वे सुवा कै पाप लागलो मेरी पराणी को....

Nandan Pokhariya
धार में देवी को थान दूध ले ऩवायो।
तेरो जूठो मैं नी खाँति माया ले खवायो।।

Hem Pant
गिलास को ठंडो पाणि, रुमाल को साया
चिट्ठि में जवाब दिए, बाटुलि में माया

Hem Pant
बर्मा जान्या रेलगाड़ी, मथुरा जान्या कार
बची रौला भेट होलि, मरी जौला तार।

Gopu Bisht
काटी हाली खिना, लाडिलो दयोर हुन्छे मायदार भीना।
हौंसिया प्राणी तेरी, भौकुना न्हातिना।

Gopu Bisht
क्याल खाया नारिंगा खाया, क्या करूँ खाएं ले।
डीठ पडछी भेंट न हुनी, क्या करूँ माया ले।

Nandan Pokhariya
द्वी मुठा पराल उड़्या वायु वतास ले।
त्वे बैना बचन सुनी आयूँ अतास ले।।

Nandan Pokhariya
पारी भटी ईजर खण्यो कुली कुमार ले।
मेरा आँसू पौछी दिये हरिया रूमाल ले।।

Gopu Bisht
वार भटी पार देखी छः धान काटया पसौर
मुख तोड़ी छोड़ी गेच्छै पाप लागौलो मेरो।

Devendra Nainwal
मि बाखरा का ग्वाला सुवा तु इन्टर पास,
कि त दिजा मुनड़ि निसानि कि दिजा आस

Nandan Pokhariya
खेत का किनार मनी फूली ऱयान काँस।
आगास उड़्निया चढ़ा मेरा ईजू काँछ।।

Gopu Bisht
खाण पीण होटल क़, बिछुना दरी को।
काम यौसो करी जाए, उमर भरी को।।

Jogasingh Kaira
गाडे की चिफई दूंगी को ढूईं तेकूलो
सुवा मेरो परदेशा के चिठ्ठी लेखुल ।

Nandan Pokhariya
आगास को काला बादल घुड़ घुड़ घुड़कँछ।
हिया में नासूर है ग्यो सुड़ सुड़ सुड़कँछ।।

Jogasingh Kaira
बानरा लुफ़म बलि बानरा लुफम
वखता बेमान हैगो तिरिया हुकुम।

Gopu Bisht
बाटा गाड़ा धान बोया, ओ घिगारु की बाड़ा।
त्विले दैछ यो गैली माया, ओ मै मारू छू डाड़ा।

Gopu Bisht
हे गोरख्या पल्ट टेडी टोपी, हे पुलिस क गाडी।
कैको पाल जन पड़ौ, हे त्वि पापी दगड़ी।

Nandan Pokhariya
गाड़ा का बगड़ पनी भुरभुरान मेल।
दुफरी को घाम लाग्यो, न पानी न सेल।।

Nandan Pokhariya
गैल कुवा सिमारै का पिछौड़ी रूजूंलो।
आँसू पोछ्या रूमाल ले, मन क्याले बुजूँलो।।

Nandan Pokhariya
काली बाकरी बन लैछ बन की बनै छ।
कै थै क्यो कुना हुन्या हो, मन की मनै छ।।

Godhan Singh Bisht
गोरख्या पल्टन टेडी टोपी पुलिसा पगड़ी !
जतिला मरन होलो दुस्मना दिगडी !

Asha Upreti
सानणै की ढेकि सुआ, सानणै की ठेकी
बुड़िया होलार लागि घुना. मुना टेकी ।

Mohan Chandra Joshi
हपुर बजानीधुरा,द्विछन बंगालि।
एक तु छै एक मैंछुं,माया का कंकालि।।

Deepak Mehta
हे बरखा लागी अरखा गरखा, पाखी दनवारी च्वींछ।
जैको स्वामी.... परदेशा...., उ जागा-जागा रवींछ।।

Jogasingh Kaira
धन धन भाईलोगो तुमरि जै जै कार
अजर अमर रया तुम गोपीचने चार। ।

Pushakar Tatrari
नाशपाती कलम करी.आड़ू कि नकल
गलती होली माफ कराये लौंडिय अकल

Pushakar Tatrari
काल गंगा को काल मछ बलूवा बूकूछ
योउ माया बज्यूनि हैज़ कलेजी सूकूछ

Devendra Nainwal
सकी ग्यान ह्यूँना का दिना आ्ब पड़ला घाम,
त्या्र बिना कसिकै रूँलो सुवा,म्यॉर करियै फाम।

Tara Singh Chuphal
काल काला काफल टिप्या द्वी हाथ का रूवीना
दिन भेट हुनैकि छै नै राति आये स्वीना

Jogasingh Kaira
गाडे की ढूंगी छा्जी फुलिया कांसे ले
तौखुटी मैकुणि खाली हीटछे ठासे ले

Gopu Bisht
इतू लंबी चैत बैशाख, कतु लम्ब जेठ।
दिन बारा उनै रौला, हुनी रौली भेंठ !! हरे हर

Risky Pathak
आज मुरली कैकी बाजी चौमासी ग्वालों की...
जै घडी समझ पड़ो, पाताल छिरों कि...

Tara Singh Chuphal
बनै काटो बनै ताछो सलाको भराण
ऋतु कैसि सुणा ग्यैछा पन्त ज्यू जी रवो प्राण

Hem Pant
भूख लागलि भोजन खाया, घाम लागलो बै जया
बचि रूंला भेट होलि, सुकार्या रै रया।

Tara Singh Chuphal
बाटै में दुकान हाली भोटिया शौकलि
तुमि संग भेट भैछ फेसबुका मौकालि

Pushakar Tatrari
आसमानी जहाज उड़ पाताल गौ राट
जै घड़ी समज उछी आँसू को तौडाट

Pushakar Tatrari
वंशी बाजी टुनटुन मुरली जोरैक
बोली कूछि मेरा गुकि लब्ज शोरैक

Tara Singh Chuphal
पार्यूनि इजर गाड़ो द्वी जैणि बौसिया
तुमि जैसा गिदार हुना मैं जास हौसिया।।

Gopu Bisht
शेरघाट की लंबी पुल, कील ठोकी घन ले !
मुख बोलना मैली नि छोड़, यो सब करछौ माया ले।

Basant Upreti
सालो को बुनिया सुआ, सालौ को बुनिया
उधार में बल्द लायीं उलै पुछड़ झड़िया

Tara Singh Chuphal
पार्यूनी बर्यात ऐछ सोर्याल विष्ट
पैं शबद म्यर अफड़ ईष्टैकि

Tara Singh Chuphal
सिलघड़ी का पालचाला झुमुरैकि नलि
दैण होये भागलिंग बूबू दैण तेरि खलि

Tara Singh Chuphal
माछा मिठा मस्यालाले चहा मिठ क्याल
आंसू पोछूं रूमालले हिया पोंछू क्याल

Jogasingh Kaira
हिर्दी को लागी दुःख कैहिं कसिके कूं
जब ऐछ याद सुवा मुख ढक़िबे रूं।

Rajen S. Sawant
उड़ पन्छी हरेवा स्याप, बस पन्छी गरुड़,
जे आंखर तम कौला, फरकूलो जरूड़।

Rajen S. Sawant
भात पकून्या ताँमै तौली, पस्कन्या चमच,
तमारो आंखर म्यारा, नि आई समझ।

Rajen S. Sawant
धार में देप्ता को थान, खै हाल्यो प्रसाद,
मैं त ज्वाड़ा भुली गैछ्यों, जगै हैचा याद।

Hem Pant
हिट हो सालि खेत खिन, खेत में पानि नें
तेरि दिया मुनड़ी भिना, आंगुला जानि नें।

Hem Pant
हापुर सड़क पनि बाकरी का खोज
कभै कभै हँसि उँछि, रूनि उँछि रोज

Jogasingh Kaira
जो बाटा मैबुआ आला जगी जो दिवाई
जबाटा सौरासी आला फूली जो भंवाई।

Jogasingh Kaira
सेर भरी शिकार ल्याय पौ भरी मस्याला
तेरी नामेंकी चिठ्ठी लेखुलों घर वाला रिशाला

Tara Singh Chuphal
बासमति को भात हुनु, घ्यू हुन खड़ैकि
त्यर म्यर सफर हुन, रेल हुन जनैकि

Jogasingh Kaira
मेरि काखि हरूलि काखि जंजीरै तीनै पाल
अल्मोड़ा गुदाम च्याला बाजुरो सकि जाल

Jogasingh Kaira
माँणि माँ मडुवा भरो नाइ में मादीरा
कति बटि माया पड़ी दूनियाँ खातिरा।

Hem Pant
उड़न्या भंवर बैठ्यो फूल का बाल्या में
इतुक माया किले पड़ी, बिराना च्याला में।

Jogasingh Kaira
धान बोया धन्याड़ी माटा ग्यों बोया गिलम
मेरि सुआ ठाडी रैछे तू म्यारा दिलम

Hem Pant
कव्वा बास्यो चण्डाक में, घ्वाघा हैग्या औत
खानि पिनि कैं न्हातिन, माया पड़ि भौत

Rajen S. Sawant
लंबा गाड़ा तीखा चाला, बोई हाल्या भट्ट,
तम भाया हौसिया ज्वान, मैं भयूं निरो लट्ठ।

Tara Singh Chuphal
इति लम्बी काली गंगा कै छांजर छिरि
जान्यो होकि माया मारी उन्या होकि फिरि

Gopu Bisht
हल्द्वानी को पल्ल तरफ, नेपाली को डयार।
हिट सुआ नैसी जानू, क्या छः त्यार म्यार।

Saroj Anand Joshi
लूघाट हे बगी आयो चंडाक में फोड़ीं
देख बामण मेरी कुंडली माया किला तोड़ी

Nandan Pokhariya
थाली भरी खीर खायी घीय की बासि ले।
डाणु काटी पार आयूँ मैं तेरी आसि ले ।।

Nandan Pokhariya
काली गंगा निसुरी भैछ, बड़ी का सेल ले।
जोबन खायो परदेसी ले, धन खायो रेल ले।।

Saroj Anand Joshi
असमान जहाज उड़्यो बम्बई शहर
या त सुवा मेले लेजा या दीजा जहर

Nandan Pokhariya
चर चर चुनलि भैंसी चरान तेरो हो।
तै डाणा उड़न्या पापी परान मेरो हो।

Pushakar Tatrari
ताल गड़ा घोगा बोया माल गड़ा मेथी
भोल पौरहि नैइ जूला को बैईरल इति

Rajen S. Sawant
ऊंचा ढांडा हिमाल में, हयूं पड़्यो बरफ़,
पंख हुन्ना उड़ी ऊनू, तुमरी तरफ।

Nandan Pokhariya
काली पारे को सुको डाणू नै उधरि जानू।
न हियो पत्थर हुनू नै बिसरी जानू।।

Saroj Anand Joshi
काटना काटना पली उँछ चौमासी को बन
ओलि.....बग्न्या पानी थामी जाछ ने थामीनो मन

Saroj Anand Joshi
अल्का धूरा सीतू रानी पानी कहा पीनी हो
ज्युना छन इसी माया मर्या कां जानी हो ...

Devendra Nainwal
बाँजानि धुरा हिंउ पड़िगो नन्देबी को थान
चिट्ठि ल्येखी जबाब न्य दिनै, बाटा में करछै सान !

Nandan Pokhariya
दाँत ले फुटन्या उखड़ जुम्ला पारी हुँछ।
अर्खा को मन बुझून्या आफी किलै रूँछ।।

Nandan Pokhariya
पहाड़ में घाम आयो बगड़ में सेल।
कति कसो कति कसो कुदरती को खेल।।

Pushakar Tatrari
नैनीताल की नंदा देवी शोर की भागवती
मै हिन दयालु होया सब हिन लखपति

Pushakar Tatrari
पार्वती कॊ मैत छ या शिव को सौरास
हिमालय का वार पार देवताओं का वास

Nandan Pokhariya
चम चम चमकँछीं त्यार नाक की फुली।
धुरा में धकेली भैछे जनि दिसा खुली।।

Nandan Pokhariya
गोरू धौला बाकरा धौला नौघर हरि का।
इस दु:ख पड़ी ग्यान जनम भरि का।।

Nandan Pokhariya
ऐला भैंस को ल्है जान्छै काली कुमर में।
खुटा काणु जन बुड़ो बालि उमर में।।

Pushakar Tatrari
ऊँचा धुर पून्यागिरि हाट की कालिका
ध्वज मै छू जयन्ती मैया शोर की मालिका

Pushakar Tatrari
गोर धेनुवा भैंस धेनुवा कस्कै का टु घास
ईजु की लाडली चेली मैत को निश्वास

Jogasingh Kaira
रातिपरे कि राम राम व्याखुलि की सलामा
तिकणि आँसू ढोक लगुंनी जभत ऐजें फामा।
..(स्वरचित)

Pushakar Tatrari
चन भैसी को चन खुरा नाम को उसारा
मेरी जैसी गैली माया हेम पंत ज्यू जन दिया दुसारा

Jogasingh Kaira
उचा डान गाड़ गध्यार तिमली को फेरा
त्यार भरोस जुग बिताय मेंल रो रो बेरा ..(स्वरचित)

Pushakar Tatrari .
घास काटन बन गयू 'काटि ल्यायु न्यार
कसीके मनाली ईजु बीन चेली को त्यार

Jogasingh Kaira
बाली तनेकी बाली उमरा के रूडी के ह्योना
जती जंछी वती ऐंछि पुन्यों जसी जूना । (स्वरचित)

Tara Singh Chuphal
चार पाई का चार कौना छटक मच्छर दानी
अलबहुरिया मन हैग्यो उदासी प्राणि

Jogasingh Kaira
रातो हणी हरे जैछ दिने की यो छाया
तन छुटो धन छुटो छूटीने रुखी माया। (स्वरचित)

Jogasingh Kaira
लामी धमेली लटी परा टसर क फुन
यो माया यसी पड़ी पड़ीगे अनाधुन ।.(स्वरचित)

Tara Singh Chuphal
सिलघड़ी का पालचाला, नस्यड़िक साल
धाग हुनु टोड़ी दिन्यू, यो मायाक जाल

Tara Singh Chuphal
वढ़ना वड़ना जाड़ हुंछ, बर्मा कमलिले
रात नींन दिन भूख नै, तेरा अमलिले

Jogasingh Kaira
रातों हणी हरे जैछ दिने की यो छाया
तन छुटो धन छुटो छूट नै रुखी माया। (स्वरचित)

Tara Singh Chuphal
समधुरा सड़क लागि छोटि हैगे दिवाल
लेखि पढ़ि के नै हाति क्या दिछू सवाल

Risky Pathak
हपुरा बाँजांणि धुरा, बानरैकी चौकी....
माया लाँछै डबलों की , बोली मार छै सौ की...

Hem Pant
गंगा ज्यू का रैवाड़े में सरप (सांप) ले नायो
निर्मोही सुवा त्विले, फरकि न चायो।

Hem Pant
बाट मल्लि कटान लाग्यो, बाट तलि चिरान
चिट्ठी पढ़े खल्दि हाले, लिफाफा सिराण।

Jogasingh Kaira
मेंले मरी जाण ज्युवे गेलु की मुनइ धो दिए ।
तेरी आमा दूध तताली तू गेलु दूध मांगिए ।

Jogasingh Kaira
मलि बटी बगी आयो शिवो क त्रिशूला
मिकै सब माफ़ करिया नि पढ़ इस्कूला ।

Godhan Singh Bisht
ठोकनि निसान छोरी ठोकनी निसान
तेर पछा पड़ रयों ज्या कछें निधान

Pushakar Tatrari
जल्दी पिस हल्दी भागी जल्दी पिस हल्दी
बुडिया ले बूढ़ा मार्यो बूढ़ लूक खल्दी !॥

Godhan Singh Bisht
अल्मोड़ा बै गाडि चली पुजी गै पनार
भुलि जूनौ दाँत पाटी नै भुलूँ अन्वार

Godhan Singh Bisht
मल्लिया बटि जोगी आयो सुनू कै सगड
छोडि द्यूनै कारबार न छोडू दिगड

Jogasingh Kaira
एक थालीमें घ्यों खिचड़ी आल गोबी को साग
हिर्दी को सुवा मेरो कैल बनायो बाग ।

Tara Singh Chuphal

सिलघड़ी का पालचाला छोलनी हलद
जथ जौंल संग जौंल ततराड़ी ज्यू जोड़िक बलद

Tara Singh Chuphal

मुनैड़ी नगन पनज्यू, मुनैड़ी नगन
हौसिया प्राण मेरो, रै नै सकन

Jogasingh Kaira

मुरूली की धुन सुणि धार वार पार
मन मेरो भरी आयो दिल तार तार।

Tara Singh Chuphal

हुमधुराको हुमनिगालु द्यो धुरी को द्याल
एक बाटुलि राति लाये एक बाटुलि ब्याल

Jogasingh Kaira

डान कान बुरुसी फुली गधेरिन काँस
तुम गया परदेसा म्यर मन उदास

Godhan Singh Bisht

शिकारि ले गोली मारी तालमाला खन्दक !
त्यर पछिला छोडनिया नहात्यू जिन्द्गी छन तक !

Tara Singh Chuphal

निगालु की सेटी निगालु सेटि
भ्वल मरी नै जौल को बै रौल एति

Godhan Singh Bisht

हपुरा बाजाँडि धुरा बाँजाकी हवा छो !
आजा का जायाना बटि कबाकि अवा छो

Tara Singh Chuphal

बाटै में काफलै डाई काफल टोड़ी खूंल
जन सुखिये पहाड़ो पाणि मैं पहाड़ै रूल

Tara Singh Chuphal

घुर घुरा घुरकन लागि सोर जान्या गाड़ि
जोड़िदार बिलौज ल्यूंल मायादार साड़ि

Jogasingh Kaira

नाना म्यारा भुखे रौला निल्याया उधार
तो मुखडी मैकुं खाली भौते माया दार ।(स्वरचित)

Jogasingh Kaira

घर छोड़ द्वार छोड़ नौकरी में जोर
मतिम फरक पड़ अकलि में चोर । (स्वरचित)

Risky Pathak

हरिद्वार में हर ज्यू रुनीं, झांकर में सैम...
तेरी मेरी हसन्या चली, लोग खानी भैम

Risky Pathak

बाटा गाड़ा धान बोया, घिंगारु की बाड़ा....
त्वीलै दी छो गैली माया, मैं मार छू दाड़ा...

Basant Upreti

बार बाजा नैनीताला, एक बाज्या थाणाँ में,
म्वाया जसी पाकी रै छै निं ऊँनी खाणा में ।

Godhan Singh Bisht

नारिन्गा की बोट मूड़ि नरिन्गा की बासा
कि तो हुनी मनकसी कि है जानी लासा

Rajen S. Sawant

रस्सी बाटि उदालै की, ओ हुड़का मोडै जन
ओss हाथ जोडूंछु टोपि गाडुन्छु,ओलि माया टोडै जन

Nandan Pokhariya

ध्वज धूरी को काला पाथर बीच फुटो जन।
त्योर म्योर जोड़ सुवा, कभै छूटो जन।।

Nandan Pokhariya
रीठा दानी भुर भूरानी बयाला ले झड़ झड़ाछिं।
साँस पड़ी निसास लागो हियो किले फड़ फड़ाछिं।।

Nandan Pokhariya
गंगा जी का बगड़ में घिंघारू को बाढ़।
मेरी जैसी माया हुनी तैं मारनी डाढ़।।

Nandan Pokhariya
रून झुन बार्खा लागी किलैडी़ का पात में।
जा जा चिट्ठी जानी रयै म्यार स्वामी का हात में।

Nandan Pokhariya
पारी भटी का निंगाल झापा बर्खा लागी चूनान।
पैली कूनान भर्ती भर्ती द:ख लाग्या रूनान।।

Nandan Pokhariya
घास काटन हाथ कट्यो कैंचनी रकत।
मेरी माया राखी दिये हँसनी बखत।।

Hem Pant
जई फ़ुली, चमेली फुली, दैणा फुली खेत
तेरो बाटो चानै - चानै उमर काटी मैता।

Mohan Chandra Joshi
हुणदेश है हुणियॉ आयो जॉठो टेकि,टेकि।
तेरि कुड़ि को बौलो कर्यो दुनियॉ देखि,देखि।।

Tara Singh Chuphal
काचो रंग हलदी को ध्वे बेर नै जाना
बालकाला कासपड़ियां दुख रवे बै नै जान

Tara Singh Chuphal
कांठा है काभड़ काटो एंठ्या एठ्या बेर
मैं तुमरि माय राखूंलो गठ्या गठ्या बेर

Tara Singh Chuphal
सिलघड़ि का पाल चाला झुमुराकि नलि
नी देखिनी भल हुना देखियां कलि कलि

Tara Singh Chuphal
धान बोया धनाड़ि माटा ग्यूं बोया गिल में
दिन का चौबीस घंट तू म्यारा दिल में

Tara Singh Chuphal
हरियां काकड़ चिरो चकुवा दनल
म्यारा मुख किला चांछै मरिया मनल

Tara Singh Chuphal
आज लछिमा गैल गिवाड़ भ्वल लछिमा धुर
त्यर बचन सुण लछिमा म्यर प्राण झुर

Tara Singh Chuphal
रेशमी रुमाल मेरो छुपक्या धोये जाना
जति में बाटुलि लेलो उति रोये जाना

Tara Singh Chuphal
खाज गाल मिठ भैछ ऊखड़ गुदिल
मुखड़ि को रंग उड़ौ सौरास बुतिल

Tara Singh Chuphal
धुर भैंसी अड़कन लागि बगड़ सिरुकि
जो घड़ी समज ऊंछि मैं छाति चिरुछि

Jogasingh Kaira
हाङ्गि फ़ाङ्गि बैठ घुघूती घुर घुर बुलैछ
मैकुं देखि देखि घुघूती तेरी बाटी चैञ्छ। (स्वरचित)

Tara Singh Chuphal
सर्ग लागो काल बादल धरति पड़ी ओस
किसमत की लेख एसि कै लगों दोष

Tara Singh Chuphal
कालि जंगार भैछ गोरि गंगा तरूल
कै जागा जनम लिछौ कै जाग मरूल

Tara Singh Chuphal
ठंडो पाणि कांक हुंछ कफर फुट्याक
भारी दुख क्याक हुछो दगड़ौ टुट्यांक

Tara Singh Chuphal
दाथुलि धौंकार दाथुलि धौंकार
च्यल हुनि थात खानि चेलिक कोंकार

Tara Singh Chuphal
दन्याली को दन दन्यालिको दन
बूढ़ी जालि हाथ खुटि नि बुढ़ी मन

Tara Singh Chuphal
शौक बैठो ढांकरै में शोक्यानि कातौ ऊन
दिन दिन सुखी ऊंछ शरीर को खून

Tara Singh Chuphal
(उल्टी न्यौली)
कै देश बुड़छ सरग शुकर तारा कै देश बुड़छ
शरीर ऊड़छ छिट घड़ी त्वे नै देखि शरीर ऊंड़छ

Tara Singh Chuphal
कैलाश है जोगि आयो जोगि आयो ठांसलि
दिन दिन झुरि आयों सासु का झांसलि

Hem Pant
गाड़ो गिलो, बल्द गल्या, एक गाड़ो बालो कि?
रूखा टुक्का कव्वा बांसंछ, मेरो सुवा आलो कि?

Hem Pant
चावल भला बरमा का, ग्युं भलो पालि को
दांत भला भिनज्यू का, काजल सालि को|

Jogasingh Kaira
सासुले भात परोस ट्वट पड़िया पातमें
दिन भरि हँसने रयुं भौते रोयूं रातमें । (स्वरचित)

Rajen S. Sawant
सुनखोला सुनार रुनी, कुमूं में नबाब।
काँ जारोछा हो 'पांडे' ज्यू, दिनाकन जबाब।।

Nandan Pokhariya
काली गंगा बगी आयो सुनू को त्रिसूल
छाड़ी दिये घरबार, जन छाड़े ईस्कूल

Gopu Bisht
ठंडो पानी कां को हुंछो, काफर फुटियाँ को।
मैं बड़ मलाल रैगो, यो दगाड़ छुटियाँ को।

Nandan Pokhariya
नेपाल छत्तीस धारा पानी की तुड़क।
जै घड़ी समझ ऊँछी रवै ऊँछी दुड़क।

Nandan Pokhariya
किरमुली ले घोल लायो धरती कोरी कोरी।
चीन बेरी लड़न आयो रात चोरी चोरी।।

Gopu Bisht
सूखा डाना घट जोतौ, ओ रिटल कसीकै।
मैं त्यार निस्वास लागौ, यो फीटल कसीकै।

Nandan Pokhariya
स्वर्ग हैं बजर पड़्यो भैंस का किल में।
मेरी माया ऱाखी दिये अपना दिल में।

Gopu Bisht
ऐजा भैंसी कां जै रै छ, गाज्यो कुमरी में।
मैकै जाना छोड़े ईजा, यो बाली उमर में।

Mohan Pant
अस्कोटका ताल बजार,लाल माटा की सीढ़ी,
तुम त खांछा पान सुपारी,हम त पीनू बीड़ी

Mohan Chandra Joshi
क्याला खाया नारिग खाया, के करूं खायां ले।
डीठ पड़छी भेट नै हुनी,के करूं माया ले।

Nandan Pokhariya
नारींग का बोट मुनी नारींग की बास।
माया ले भरी मन बिन माया उ दास।।

Nandan Pokhariya
हिमाल में घाम आयो बगड़ मे सेल।
कति कसो कति कसो कुदरती को खेल।।

Mohan Pant
ताल गाड़ा मड़ुआ बोयो,भालू ले बुकायो,
दाज्यू ले रूमाल दीयो,बौजी ले लुकायो.

Mohan Pant
ताल्ला गाड़ा बल्द जोत्या ल्यो बचुली ब्यू,
चाहा ल्याए,कटकी ल्याए, रोट में ल्याए घ्यू

Jogasingh Kaira
इकले धुर कसिक काटूं ,दातुलि हैरे बज्यूँणि
बिन दगड़े कसिक रनूँ , मी नानी ख्ड़्योणि । (स्वरचित)

Jogasingh Kaira
कसि भागा बुलां रछे के करौछ कैले
गगासे कि पूवा बनि लूवा सारो मेंले।
त्यरलिजी बौलकरौ सुख निदेखो मेंले
नि पढले म्यर च्याला तूलै यसै रौले। (स्वरचित)

Jogasingh Kaira
द्वी मैलोक ठाड़ उकाऊ फिर बाइस फेर।
घर बटी इस्कूल द्वाराहाट हैई जैछी देर । (स्वरचित)

Anand Basera
उब जानी तीतरी का उन ऊनी खोज..
तू समझली कभै कभै मी समझूलो रोज।

Jogasingh Kaira
उकाऊ हुलार रोज हिटण खुट लागी पटाई।
त्यार दगड आजि निभुलो ठुम ठुम हिटाई। (स्वरचित)

Jogasingh Kaira
हँसने रया खेलने रया होई दिवाई सारी
आज रंग हमैकुं चढ़ भोव तुमरी बारी।
पैली रंग मी लगुंल फिर तुमारी बारी।
राम ज्यू लै रंग भरो फूलूं भरी क्यारी
हँसनें रया खेलने रया उमर भर सारी। (स्वरचित)

Anand Basera
अलका धुरी मोष्ट्यामाणु बानर रूखारी..
मन मेरो हौसिया छ यो करम दुखारी...

Anand Basera
गाड तरयूँ गध्यारा तरयूँ गंग ले तरूलो...
तू त सुवा बची रये मीआफी मरूलो।

Anand Basera
ह्यूनां दिन माखा लागणी चौमास मच्छर...
आग लागौ, भांग फुलौ, पडि जौ बज्जर..

Hem Pant
धारा में को ठुल रूख, सल्लो छ कि दल्लो
मेर सुवा को हिटन्या बाटो, तल्लो छ कि मल्लो??

Hem Pant
सुवा चड़ो पाणि पिछ, तलि गाड़ किनार,
हिरदि में लेखि ल्यूंलो, सुवा की अनार।

Jogasingh Kaira
वारे ढाई ठण्ड लागो पारे ढाई पौन
बिन देखिये म्यर सुवा दुःख समझ निऔन (स्वरचित)

Bimla Joshi
सिलगढी का पाला चाला गिन खेलन्या गढो
तैं होये हिसालू तोप्पो मैं उड़न्या चढ़ो

Rajji Basera
काटना काटना पलि ऊँछ ,चौमासि को बन
थामी ज़ाँछ बगन्या पानी ,नै थामिनो मन

Jogasingh Kaira
रुमाली का चार कुंच एक कुंच स्याई
किलै करी चिठ्ठी बंद किलै टोडी माई।

Rajji Basera
आसमानी ज़हाज ऊड़यो रंगुन डाक को
पँख हुना उड़ी उनु मैं बिना पाँख को

Jogasingh Kaira
चर बाकरी पात पतेल, नि चरे अङ्ग्यार
आदू गंगा छोड़ी गैछै ,ना वारा ना पार

Jogasingh Kaira
काकडी को केरा , घटि घालो घेरा
भट्टी जैसो आग लैरो हिरदी भितेरा ।

Jogasingh Kaira
छिड़ो पाणि तुड़ तुड़, पाणी को मासिका
तू भूलड़ी भूली गैछै , मैं भूलूं कसिका

Jogasingh Kaira
राति पर हाथ मोबाइल ,फेस बुक व्याखूलि ।
आँख फोड़ा दिन भरी , लागी रयूं बैखूली । (स्वरचित)

Jogasingh Kaira
बार बरस भाबर रयो , बन कमल धमल
क्वे कैहड़ी निबुलान ,फेस बुकि अमल। (स्वरचित)

Jogasingh Kaira
आँख ताणी ताणि चैरै फेसबुक पारा
चुल पन साग जलो, भौ मारुरौ डारा। (स्वरचित)

Jogasingh Kaira
घड़ीया कुमर भागि घडिया कुमरा
औनें रनि दिन मॉस निऔंनी उमरा ।

Jogasingh Kaira
लाइक करो कोमेंट मारो इकें को देखलो।
म्यर हियामें वी बसल जो न्योली लेखलो । (स्वरचित)

Anand Basera
गाड की चिफली ढूँगीं, कै ढूँगीं तरूलो..
पहाड मा जनम मेरो, कै देश मरूलो।

Jogasingh Kaira
धोती मैली टोपी मैली ध्वेदिनेर छइना क्वे
जो मरी गोयो परदेसा रोई दिनेर छइना क्वे।

Nandan Pokhariya
उन खोली घास गयूँ काटी ल्यायूँ प्यौली।
आधा उमर होई गैछ कब आली ब्यौली।।

Jogasingh Kaira
हो हांग फांग झन काटे काटे झन टूका
ते जंगल देखि बेरा लागि जांछो दुखा

Nandan Pokhariya
गोरू खोल्या गाठ्यूनी लाया, ले बाच्छी कूलकूली।
पूँल दुख भौत पढ़्या हे चढ़ी बुलबुली।

Nandan Pokhariya
भात खाये दाल खाये फाँणु खाये जन।
देश घूमी घर आये जोगी होये जन।।

Anand Basera
रुख की औखडी दानी, भीं किलै झडनी हौ..
कैको चेलो कैकी चेली, माया किलै पडनी हौ।

Nandan Pokhariya
आधा तली सेल आयो पीपली छाया ले।
दिन दिन दुबली भयूं चर्खुली माया ले।।

Jogasingh Kaira
लुवॉक नाङ्गर मोड़ो तामांका तारों लै
कैको दिल निदुखुण् बोत्योण् इशारों लै।(स्वरचित)

Jogasingh Kaira
हाथों पे दातुली रछी रछी घाका लुट
ना कभें जबाब दीण् नि बलाण् झुट।(स्वरचित)

Basant Upreti
परदेश नें बसि गया भुल गयॉ संस्कार
ठंड पाणि फ्रीज नें छु, सेफ है गे भकार

Anand Basera
यां बटी का जाना जाना पुजी गयूँ शेरी...
बिरालू ले म्यांऊ करी, ओ ईजा हो मेरी...

Rajji Basera
हपुर बजानी धुरा बांज की हवा छ
आज का ज़ाईया भटी कभे की आवै छ

Anand Basera
गंगा ज्यू है बगी आयो लुवा को बगस..
उडभाड को मन बुझून्या को होलो सकस।

Jogasingh Kaira
हाई जुन्याली रात , यो जुन्याली राता
केंहैते कुनु दुःख सुख को सुनल हिये की बाता।

Anand Basera
सर्ग तारा भौत हुनी उज्याली जूनीं को,
दिन दिन रात रात ध्यान छ उनीं को

Nandan Pokhariya
ध्वज धूरी दमू बाज्या पक्या लाये पूरी।
चैत का महिना ईजू मैं लागी हि कूरी।।

Nandan Pokhariya
धारचूला का दार संगाला अस्कोट का अगाला।
जै घड़ी समझ ऊँछी दिल हो जाँछ पगाला।।

Nandan Pokhariya
भात पकायो बासमती को साग करेली को।
मुख मटक्या जन जाये बाटो बरेली को।।

Jogasingh Kaira
ठुलठुलाँले बौल खेलो नन ननाले गोली
इतु बड़ी मैस मिला कसिक भेट होली।

Rajji Basera
नेपाल छत्तिस धारा पानी की तुड़ुक
जै घड़ी समझ ऊछी रवै ऊँछी घुड़ुक

Jogasingh Kaira
द्वि घुघूती बात करनी , बैठि बिजुली तार
मुख थिथाण भौत करनी क्वै क्वै मददगार ।

Rajji Basera
गंगा ज्यू का बगड़ मैं हरियो सरप
पाँख हुना उड़ी उनु मैं तेरा तरफ

गोपाल सिंह नेगी
छ्ण छ्ण आंसू आनी , परदेस जाड़ेले ।
रंगिल पहाड़ छूटो द्वी रोटी कारण ले।।

Hem Pant
हाथि मोटो, घोड़ो मोटो मल्ला खेतका जौं ले
दिन काटूं हंसि खेलि, राति त्यारा नौं ले

Hem Pant
घास काट्यो घुलमुल, पुलि बादनि नें ऊनि
कै ले बाटि खोरि तेरि, कै ले गाड़ि स्यूंणी

Jogasingh Kaira
रातोंले ओड़ी सुआ सितारों की साड़ी
कति रैगो मेरो हिया कति खेती बाड़ी। (स्वरचित)

Anand Awasthi
रहट की तान सुआ रहट की तान
कैकी करुं मन कसी कैकी बान

Jogasingh Kaira
हो कास कासा चाडा बासनी गैलो पातला
कफुवा चड जब बासल पाकनी काफला।
पाकनी काफला, तू नक् बुलये झन।
एक डाल पर कोयल बोले एक डाल पर कागा
जस अपयस मिलूं भागि जसी जैकी भागा।
जसी जैकी भागा , तू नक् बुलये झन ।
झन खेलिया जुवा नि कया कुबचन
पाच भाई पांडव और कुंती बनेबन
आहा कुंती बनेबन नक् बुलाया झन

Anand Awasthi
कालो बनैन ढिल है गोछ लाल बनैन फिट
त्यार दगाड़ क्वे न्हाति म्यार दगाड़ हिट।

Jogasingh Kaira
तेरी मुरूली सुणि मोहना सुध बुध निरुनी
हियकी माया जुडी मोहना भेट किले निहुनी। (स्वरचित)

Jogasingh Kaira
तू गोरूंक ग्वाव मोहना ग्वाल दगड़े राया
कसिक बनू ग्वाल मोहना मैंकूं बते जाया (स्वरचित)

Jogasingh Kaira
भुलिये झन मेरी भुली ,हाथ कलम स्याई
तू लिखने रये भागि हमरी पहाड़े माई ।

Bimla Joshi
हाथ धागुला चाँदी का छन कान् मुनाड़ा सुनका
सबका दुख साजा छन, म्यारा दुख कुनका

Jogasingh Kaira
पिरुवा बुनियां भागी पिरुव बुनियां
दुःख दुःख झन कये दुःख छू दूनियाँ

Bimla Joshi
डाणा मैं डांसी को ओखल खैर्या मुसल छ कि
मैं सोदन भूलि गयूं गात कुशल छ कि

Jogasingh Kaira
पिरुवा बुनियां भागी पिरुव बुनियां
दुःख दुःख झन कये दुःख छू दूनियाँ

Nandan Pokhariya
चर चर चनुली भैंसी, धारूणी को चरान।
धक धक हियो धड़क्यो, कसके जाला पापी परान

Jogasingh Kaira
हंसने रये हंसाने रये नि कोसिये भाग
भौत दुखी करीं भुला य पेटेकी आग । (स्वरचित)

Jogasingh Kaira
अजर अमर रौछ खैर गेठि सानण।
कुंण में बुलाण औछ नक् नि मानण ।(स्वरचित)

Rajan Rana
शिखर क उंच डानौ, ह्युं पड़ौ पयांन
चिट्ठी पड़ी जेब धरी, लिफाफा सिरांन !

Rajan Rana
गाड़ तरी गधेरी तरी, को रौली तरूंला,
पहाड़ै जन्म मेरो, को देश मरूंला !

Jogasingh Kaira
बिछोंण दरिक बिछोण दारिक
समझण लेखी दिया उमर भरिक।

Mohan Chandra Joshi
लेख लेख बजार की छोरी हाथ जन हलकायै।
मैं धारा ढलकन्या बेर रुमाल हलकायै।

Anand Awasthi
यां बटी को हिटन हिटना पूजि गयूं डोटी
तेरि माया ल्हिजा कूंछियूं खल्दि होगे टोटी।

Anand Basera
यां बटी को हिटन हिटना पूजि गयूं बुंगां..
बुंगां वालनि एक ढुंगां हाणी, झडग्या म्यारा जुंगां।

Jogasingh Kaira
नानि बेली जुठी रैगे पालिंगे सागेकी
मी चैली किहुणि सैतो पराई भागे की

Jogasingh Kaira
कसिक भुलुलों इजू, मैं मैतो मुलुक
म्यर घर मिहणि हैगो पराई मुलुक (स्वरचित)

Jogasingh Kaira
मैं तो ईजा बनेल्युल सरासे की सासू
मेरी इजा जब रोली को पोछल आँसू (स्वरचित)

Jogasingh Kaira
छुणकैली दातुली दातुलि धरो पयाण।
झन भुलिये भुली मेरी पहाड़े पछ्याण। (स्वरचित)

Hem Pant
चमचम चमकि रैछ, तेर नाककि फुलि
धार में देखनि भै छे, जनि दिशा खुलि

Rajen S. Sawant
धार में देप्ता को थान, खै हाल्यो प्रसाद,
मैं त ज्वाड़ा भुली गैछ्यों, जगै हैचा याद।

Rajen S. Sawant
अल्का धारा पानि भारन्या, चेली हो बिष्ट कि,
यो पैलो आंखर मेरो, आफ्ना ईष्ट कि।

Tara Singh Chuphal
बाटै में दुकान हाली भोटिया शौकलि
तुमि संग भेट भैछ फेसबुका मौकालि

Godhan Singh Bisht
गोरख्या पल्टन टेडी टोपी पुलिसा पगड़ी !
जतिला (जहाँ) मरन होलो दुस्मना दिगडी !

हपुरा बजाडी धुरा बाँजाकि हवा छो
आज का जायाना बटी कैबा अवा छो

काल कला काफ़ला टिपा सुकिली ओडनिया में
में बटुली झन लगाये चौमासी गोडनिया में !

तेरी हाथा सिसा कि चुडी बाजि खनै खन !
ते सुवा कै चान चानै न भरीनै मन!

बगसा बम्बइया तालि न तालि खुलनि
तेरी फोटका मेरि बटुवा न मुखा बोलनि।

Tara Singh Chuphal
बनै काटो बनै ताछो सलाको भराण
ऋतु कैसि सुणा ग्यैछा पन्त ज्यू जी रवो प्राण

Rajen S. Sawant
ऊना खोली बाटो लायो, तुड़ तुड्या पानि ले।
त्यारा गौं को ह्याला भयूं, हसन्या बानि ले।।

Rajen S. Sawant
भात पकून्या ताँमै तौली, पस्कन्या चमच,
तमारो आंखर म्यारा, नि आई समझ।
उड़ पन्छी हरेवा स्याप, बस पन्छी गरुड़,
जे आंखर तम कौला, फरकूलो जरूड़।

Rajen S. Sawant
घास फूस को छान बनायो, जेको पाखो चूंछ,
नान छना का खेल्या खेल, हिमू, आब ज क्य हूंछ।

Hem Pant
चमचम चमकि रैछ, तेर नाककि फुलि
धार में देखनि भै छे, जनि दिशा खुलि।

Tara Singh Chuphal

गंगा कुंछि बगूं बगूं, पिर्थि कुंछि घुमूं

एक थालि में खानो खूलां, मैं डोटि तें कुमूं

मा० सांसद राज्यसभा
श्री प्रदीप टम्टा जी द्वारा
'क्रिएटिव उत्तराखण्ड' द्वारा
आयोजित

'15 दिवसीय लोक नाट्य
कार्यशाला' के शुभारम्भ के अवसर
पर लोकार्पित

दिनांक - **27** मई **2018,** रुद्रपुर

भूख लागलि भोजन खाया, घाम लागलो बै जया

बचि रूंला भेट होलि, सुकार्या रै रया।

भावार्थ - भूख लगेगी खाना खा लेना, धूप लगे तो बैठकर आराम कर लेना

जिन्दा रहेंगे तो आपसे भेंट जरूर होगी, आप सकुशल रहना